अमरत्व नहीं, बुढ़ापे में स्वस्थ और जवान रखती है एंटी एजिंग

मुंबई से आए डॉ. दीपक चतुर्वेदी ने जिज्ञासाओं का किया समाधान

भास्कर न्यूज | जबलपुर

एंटी एजिंग चिकित्सा पद्धति कोई अमर करने वाली नहीं है, इससे सिर्फ बढ़ती उम्र में युवाओं जैसी स्फूर्ति के साथ ही शरीर स्वस्थ और मानसिक प्रसन्नता रहती है। प्रकृति ने हमारे शरीर को वर्तमान जीवन शैली जैसा नहीं बनाया है, हम इन अविष्कारों को नहीं छोड़ सकते, लेकिन इतना तो कर सकते हैं कि उनके अनुरूप ही चलते हुए हम अपने शरीर को चार बिंदुओं पर संतुलित रखें तो उम्र के बढ़ते पड़ाव में भी शरीर स्वस्थ रहेगा। एलोपैथी पद्धति में इन्ही चार बिंदुओं को संतुलित रखना ही एंटी एजिंग है। यह बात मुंबई से आए एंटी एजिंग एक्सपर्ट डॉ. दीपक चतुर्वेदी ने रविवार को अशोका होटल में शहर के गणमान्य नागरिकों, महिलाओं से मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने कहा कि भारत में अब एंटी एजिंग पर तेजी से बात होने लगी है अगले कुछ सालों में इसके टेस्ट पल्स पोलियो जैसे अनिवार्य हों तो कोई आश्चर्य नहीं होगा।

मॉस का नहीं क्लास का ट्रीटमेंट

डॉ. चतुर्वेदी के अनुसार एंटी एजिंग यानी बढ़ती उम्र के बाद भी शरीर को उससे पीछे रखने के लिए हार्मोन्स, न्यूरोट्रांसमिशन, एंटी ऑक्सीडेशन और एंटी इन्फ्लीमेशन का संतुलन बेहद जरूरी है। जांच के माध्यम से इसकी मात्रा की जानकारी और आवश्यकता को दवाइयों के साथ पूरा किया जाता है। एंटी एजिंग के इलाज को फिलहाल महंगा बताते हुए डॉ. चतुर्वेदी ने मॉस (भीड़ या समूह) के लिए नहीं, बल्कि क्लास (खास) के लिए ही बताया।

डॉक्टरों ने सीखे लंबे समय तक प्रोडेक्टिव रखने के गुर - सुबह इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जबलपुर के तत्वावधान में एंटी एजिंग एंड रीजेनरेटिव मेडिसिन पर वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. चतुर्वेदी ने हार्मोंस के उपयोग और एंटीएजिंग पर अपने अनुभव साझा किए। उद्घाटन पर मेडिकल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आरएस शर्मा, वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र जामदार, आईएमए अध्यक्ष डॉ. राजीव सक्सेना, मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. परिमल स्वामी आदि मंचासीन थे। डॉ. सक्सेना ने अपने शोध में त्वचा व बालों को बढ़ती उम्र के कुप्रभावों से सुरक्षित रखने के लिए दवाइयों के सही उपयोग की जानकारी दी। डॉ. स्वामी ने एंटीएजिंग मेडीसिन के क्षेत्र में होने वाले नए शोधों की चर्चा की। संगोष्ठी में डॉ. अजय सेठ, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डॉ. अनुपम श्रीवास्तव, डॉ. शिरिश नायक, डॉ. एचके टकीरजा, डॉ. पवन अग्रवाल, डॉ. ऊषा गुप्ता, डॉ. नीना श्रीवास्तव, डॉ. अनिल जैन, डॉ. दीपक साहू, डॉ. अमरेंद्र पांडे, डॉ. राजन शेवरे, डॉ. पुनीत जांडियाल, सचिव डॉ. समीर हर्षे, डॉ. विशाल कस्तवार आदि उपस्थित थे।पी-4